सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 50 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 24 मार्च, 2022

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे निश्चित तरीका है हमेशा एक और बार प्रयास करना।

–थॉमस ए. एडीसन

अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद... 8

विधान सभा से 2024 की जमीन... 3

यूपी बोर्ड : कड़ी निगरानी में छात्रों... 7

शपथ ग्रहण का मेगा शो कल

आज सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे योगी

फोटोः सुमित कुमार

» इकाना स्टेडियम में कल होगा शपथ ग्रहण, पीएम मोदी समेत कई दिग्गज रहेंगे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटी है। अपनी इस सफलता को भव्य बनाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी इकाना स्टेडियम में कल शपथ ग्रहण का मेगा शो आयोजित किया है। शपथ ग्रहण से पहले आज लोकभवन में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। यहां विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद योगी आदित्यनाथ देर शाम तक राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

आज शाम लोकभवन में विधायक दल की बैठक होगी। यूपी के पर्यवेक्षक और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होने वाली इस बैठक में मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों के साथ नए मंत्रियों को विभागों के बंटवारे पर भी चर्चा हो सकती है। बैठक में रघुवर दास, धर्मेंद्र प्रधान और राधामोहन सिंह के साथ अपना दल (एस) तथा निषाद पार्टी के विधायक भी शामिल होंगे। बैठक में उप मुख्यमंत्री के नामों की घोषणा भी हो सकती है। यह पहले से तय है कि प्रदेश में दोबारा सत्ता की कमान योगी आदित्यनाथ के ही हाथ में होगी लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा विधायक दल की बैठक में होगी। विधान सभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी के चेहरे पर लड़ा गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार चुनावी मंचों से आएंगे तो योगी ही और योगी ही उपयोगी जैसा नारा देकर स्पष्ट संदेश दे चुके थे कि भाजपा दोबारा सरकार बनाती है तो मुख्यमंत्री योगी ही होंगे। चुनाव में भाजपा ने अकेले 255 व गठबंधन सहयोगियों के साथ 273 सीटें जीती हैं। आज की बैठक में मुख्यमंत्री योगी को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद योगी आदित्यनाथ राज्यपाल से मिलने राजभवन जाएंगे। सीएम योगी राजभवन में सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे और गवर्नर को 273 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपेंगे।

लोकभवन में हलचल बढ़ी बैठक में विधायक दल के नेता के नाम का होगा ऐलान

सहयोगी दलों को भी मिलेगी भागीदारी

भाजपा ने गठबंधन में सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी को मनचाही सीटें दी थी और दोनों ही दलों ने अच्छा प्रदर्शन किया। अपना दल (एस) ने 17 में से 12 सीटें जीतीं, जबकि निषाद पार्टी को गठबंधन में 16 सीटें मिलीं। राज्य में बनने वाली नई सरकार में भाजपा के सहयोगी अपना दल और निषाद पार्टी दो-दो कैबिनेट मंत्री स्तर के पद चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य मंत्री के पदों पर भी दोनों दल दावा कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि सहयोगियों को भी सत्ता में भागीदार बनाया जाएगा।

समारोह में शिरकत करेंगी हस्तियां

सीएम योगी के शपथ ग्रहण समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियों को आमंत्रित किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ देशभर के बड़े नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री समारोह में शिरकत करेंगे। भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। साधु-संतों में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरी महाराज, महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव यमुना पुरी महाराज, श्री मठ बाघम्बरी गद्दी और बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरी को भी आमंत्रित किया गया है। इसके साथ सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों को भी निमंत्रित किया गया है। समारोह में पूर्व न्यायमूर्तियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, वरिष्ठ चिकित्सकों, समाजसेवियों और बड़े उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है। उद्योगपतियों में केएन चन्द्रशेखरन, मुकेश अंबानी, कुमार मंगलम बिरला, गौतम अडानी, आनंद महिंद्रा, संजीव गोयनका को न्योता दिया गया है।

होर्डिंग-पोस्टर से सजी राजधानी

योगी आदित्यनाथ के दोबारा यूपी के सीएम पद के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की सड़कों को होर्डिंग्स और पोस्टरों से सजा दिया गया है। इसके अलावा स्टेडियम की ओर जाने वाले मार्ग समेत कई मार्गों को फूलों से सजाया गया है।

बॉलीवुड स्टार्स भी आमंत्रित

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार, कंगना रनौत, अजय देवगन, बोनी कपूर, अनुपम खेर, विवेक अग्निहोत्री सहित कई डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और कलाकारों को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण भेजा गया है।

हिजाब मामले में तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

» कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ छात्राएं पहुंची हैं सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के हिजाब विवाद को लेकर दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से आज इनकार कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने जल्द सुनवाई का आग्रह करने वाले वरिष्ठ वकील देवदत्त कामथ से कहा कि वह केस को संवेदनशील न बनाएं।

कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को छात्राओं ने शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर आज मेंशनिंग के दौरान छात्राओं के वकील कामथ ने सीजेआई एनवी रमन से कहा कि यह मामला अर्जेंट हैं,क्योंकि विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे पाएंगे और उनका साल खराब हो जाएगा। इस पर जस्टिस रमन ने कहा कि इस मामले का परीक्षाओं से कोई लेना–देना नहीं है, मामले को संवेदनशील न बनाएं। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शिक्षा संस्थानों में हिजाब पर पाबंदी के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने हिजाब को इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना है। मामले में पहले से भी सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हिजाब याचिकाओं की सुनवाई के लिए कोई विशेष तारीख देने से भी इनकार कर दिया।

वकील से कहा, मामले को न बनाएं संवेदनशील

जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक के आरोपों की होगी सीबीआई जांच

» दो फाइलों का जिक्र कर रिश्वत की पेशकश का लगाया था आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक के रिश्वत की पेशकश वाले आरोपों की अब सीबीआई जांच होगी। जम्मू–कश्मीर प्रशासन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई से सिफारिश की है।

सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया था कि जब वह जम्मू कश्मीर के राज्यपाल थे तब संघ और बड़े औद्योगिक घराने की फाइलें क्लियर करने के बदले में उनको 300 करोड़ का ऑफर दिया गया था। हालांकि, उन्होंने पैसे लेने से इनकार किया और डीलों को रद्द कर दिया था। सत्यपाल मलिक ने कहा था कि जब वे जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल बने, तब उनके पास दो फाइलें आई थीं। एक फाइल में अंबानी शामिल थे जबकि दूसरी फाइल आरएसएस के एक बड़े अफसर और महबूबा सरकार में मंत्री से जुड़ी थी। राज्यपाल ने कहा था कि जिन विभागों की ये फाइलें थीं, उनके सचिवों ने उन्हें बताया था कि इन फाइलों में घपला है और सचिवों ने उन्हें यह भी बताया कि इन दोनों फाइलों में उन्हें 150–150 करोड़ रुपये मिल सकते हैं लेकिन, उन्होंने इन दोनों फाइलों से जुड़ी डील को रद्द कर दिया था। सत्यपाल मलिक फिलहाल मेघालय के राज्यपाल हैं।

एमएलसी चुनाव : प्रत्याशियों की जीत के लिए रणनीति बना रही भाजपा

» समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी भी कर रहे जोर-आजमाइश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र की चार विधान परिषद सीटों के लिए होने वाले चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्षों की प्रतिष्ठा दांव पर है। इन सीटों के अधीन एक दर्जन जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा के हैं। इन पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत का दारोमदार टिका हुआ है। इनकी जिम्मेदारी है कि वोट पार्टी के पक्ष में ही पड़ें। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र में फतेहपुर-कानपुर, इटावा-फर्रुखाबाद, बांदा-हमीरपुर, जालौन-झांसी-ललितपुर विधान परिषद सीटें हैं।

इनमें फतेहपुर कानपुर में सपा के दिलीप सिंह, इटावा-फर्रुखाबाद में सपा के पुष्पराज जैन, बांदा-हमीरपुर सपा के रमेश मिश्रा, जालौन, झांसी व ललितपुर से सपा की रमा निरंजन विजेता थीं। हालांकि इस बार स्थितियां बदली हुई हैं। फतेहपुर-कानपुर में सपा के दिलीप सिंह उर्फ

कल्लू यादव के सामने भाजपा के अविनाश सिंह हैं। इटावा-फर्रुखाबाद में भाजपा से प्रांशु दत्त द्विवेदी तो सपा से हरीश यादव मैदान में हैं। बांदा-हमीरपुर में सपा के आनंद कुमार तो भाजपा से जितेंद्र सिंह सेंगर मैदान में हैं। वहीं झांसी-जालौन सीट पर पिछली बार सपा से जीतीं रमा निरंजन भाजपा के टिकट पर मैदान में हैं। उनके सामने सपा के श्याम सुंदर हैं। जिला पंचायत चुनाव जीतने के बाद से ही भाजपा ने इन सीटों पर अपनी पकड़ बना ली थी। 14 जिलों में से 12 में भाजपा के जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। फतेहपुर-कानपुर सीट पर फतेहपुर में अभय प्रताप और कानपुर की स्वप्निल वरुण जिला पंचायत अध्यक्ष हैं तो वहीं कानपुर देहात से निर्दलीय चुनाव लड़ी धीरज रानी भी भाजपा की विचारधारा से जुड़ी हुई हैं। वहीं फर्रुखाबाद-इटावा सीट के तहत आने वाले फर्रुखाबाद में भाजपा समर्थित मोनिका यादव, कन्नौज से प्रिया शाक्य, औरैया में कमल दोहरे भाजपा के जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। यहां सिर्फ इटावा में सपा के अंशुल यादव ही जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। बांदा-हमीरपुर सीट के तहत आने वाले बांदा, चित्रकूट, महोबा और हमीरपुर सभी जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के हैं। यही स्थिति झांसी-जालौन-ललितपुर सीट की है। इन तीनों जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा के ही हैं।

नवनिर्वाचित विधायक 28 व 29 मार्च को लेंगे शपथ

» पांच वरिष्ठ विधायक भी दिलाएंगे शपथ

» रमापति शास्त्री प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

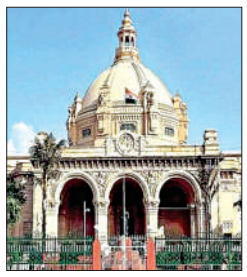

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानसभा के सबसे वरिष्ठ विधायक रमापति शास्त्री को विधानसभा के अध्यक्ष का चुनाव होने तक प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। प्रोटेम स्पीकर रमापति शास्त्री विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों को 28-29 मार्च को शपथ दिलाएंगे। राज्यपाल ने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए पांच अन्य वरिष्ठ विधायकों को नियुक्त किया है।

गोंडा जिले की मनकापुर सीट से विधायक रमापति शास्त्री 1974 में पहली बार छठी विधानसभा के लिए विधायक निर्वाचित हुए थे। शास्त्री 7वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं, 14वीं और 17वीं विधानसभा में विधायक रहे। शास्त्री कल्याण सिंह सरकार में समाज कल्याण और राजस्व मंत्री रहे। मायावती और कल्याण सिंह सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे। योगी सरकार में भी शास्त्री समाज कल्याण मंत्री थे। 18वीं विधानसभा में शास्त्री आठवीं बार विधायक निर्वाचित हुए है। सदन के सबसे वरिष्ठ विधायक होने के कारण उन्हें प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। राज्यपाल ने विधानसभा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडेय, पूर्व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेश खन्ना, फतेह बहादुर सिंह और रामपाल को भी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए नियुक्त किया है। राज्यपाल राजभवन में 26 मार्च को प्रोटेम स्पीकर के साथ इन पांच विधायकों को भी शपथ दिलाएंगी।

12 राज्यों के मुख्यमंत्री और पांच उप मुख्यमंत्री होंगे शामिल

योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण के साथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ भाजपा शासित 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और पांच उप मुख्यमंत्री भी बनेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में योग गुरु बाबा रामदेव, विभिन्न मठों और मंदिरों के महंत भी मौजूद रहेंगे। यूपी में उद्योग स्थापित करने वाले और उद्योग संचालित करने वाले सभी प्रमुख उद्योगपतियों को भी आमंत्रित किया गया है।

राजा भैया के करीबी गोपालजी को सात साल की सजा

» फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस बनवाने के मामले में एमपीएमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रघुराज प्रताप सिंह राजाभैया के करीबी और विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपालजी को एमपीएमएलए कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस बनवाने के मामले में कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 10 हजार रुपया जुर्माना भी ठोका है। उन्हें एक दिन पहले ही न्यायिक हिरासत में ले लिया था। अक्षय ने जनसत्ता दल के प्रत्याशी के रूप में प्रतापगढ़ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के नामांकन पत्र भी दाखिल किया है।

वह लगातार तीन बार से इस सीट से एमएलसी निर्वाचित होते आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत उनका नामांकन पत्र निरस्त किया जा सकता है। प्रतापगढ़ की एमपीएमएल कोर्ट ने अक्षय प्रताप सिंह को सात साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 10 हजार रुपये का जुर्माना भी ठोका है। 15 मार्च को कोर्ट ने नोटिस जारी कर दोषी करार दिया था। मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में ले लिया था। सजा सुनाए जाने के बाद पूरे कोर्ट में भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सजा सुनाए जाते समय विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया भी कोर्ट में मौजूद रहे। अक्षय प्रताप सिंह राजाभैया के करीबी रिश्तेदार हैं।

जयंत चौधरी ने विधायकों की कार्यशैली और व्यवस्थाओं को लेकर आमजन से मांगे सुझाव

» 26 मार्च को लखनऊ में विधायकों की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने विधायकों की कार्यशैली और व्यवस्थाओं को लेकर आमजन से सुझाव मांगे हैं। इसके लिए उन्होंने एक ईमेल आईडी भी जारी किया है। उन्होंने कहा वह 26 मार्च को लखनऊ में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक करेंगे। इससे पहले इस ईमेल पर कोई भी सुझाव देना चाहते हैं तो वे दे सकते हैं। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर यूपी में विधानसभा चुनाव लड़ने वाली राष्ट्रीय लोकदल अब 26 मार्च को विधायक दल का नेता चुनेगी। रालोद ने

नवनिर्वाचित विधायकों को इस बैठक के लिए लखनऊ बुलाया है। पहले यह बैठक 21 मार्च को होनी थी, लेकिन एमएलसी चुनाव के नामांकन के कारण इसे बढ़ा दिया गया है।

सपा ने भी अपने विधायक दल की बैठक 26 मार्च को ही बुलाई है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा ने बताया कि पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक 26 मार्च को दोपहर 12 बजे से लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में होगी। इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी करेंगे। इस बैठक में पार्टी के विधायक दल के नेता के नाम पर भी मंथन होगा। साथ ही पार्टी इस बैठक में आगे की रणनीति भी तय करेगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर रालोद को संजीवनी मिल गई है। गठबंधन में रालोद को 33 सीटें मिली थीं, इनमें से आठ पर सफलता प्राप्त की है। उसे इस बार करीब तीन प्रतिशत वोट मिला है। वर्ष 2017 में 1.78 प्रतिशत मत से संतोष करना पड़ा था। रालोद पिछले कई सालों से प्रदेश में अपनी खोई सियासी जमीन तलाश रही है।

वाराणसी-कोलकाता ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का डीपीआर बनाने की कार्रवाई शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी के एक प्रश्न के उत्तर में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि बिहार से गुजरने वाली गोरखपुर-सिलीगुड़ी एवं वाराणसी-कोलकाता इकोनामिक कॉरिडोर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के विकास के लिए लागत मूल्य, निर्माण अवधि, टेंडर दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की कार्रवाई शुरू की गई है। राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने सोशल मीडिया ऐप क्यू पर इस संबंध में जानकारी शेयर की है।

मंत्री ने बताया कि वाराणसी-कोलकाता खंड की संभावित लंबाई लगभग 600 किलोमीटर है, जिसमें 160 किलोमीटर बिहार के कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया जिलों से होकर गुजरती है। वहीं गोरखपुर-सिलीगुड़ी की कुल लंबाई 519 किलोमीटर है। इसकी लगभग 416 किलोमीटर की लंबाई बिहार के पश्चिम एवं पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया एवं किशनगंज से होकर गुजरेगी। बता दें कि वाराणसी- कोलकाता इकोनामिक कॉरिडोर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

काशी से संघ के नए आयामों को मिलेगी गति

» वाराणसी में बैठक लेने पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत पांच दिवसीय प्रवास पर वाराणसी में है। यहां आने के बाद उन्होंने विश्व संवाद केंद्र पर काशी प्रांत के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ परिचय बैठक कर काशी में संघ के कार्यों की जानकारी ली। भागवत के पांच दिवसीय प्रवास के दौरान होने वाले आयोजनों से निश्चित ही काशी से संघ के नए आयामों को गति मिलेगी। मोहन भागवत ने परिचय बैठक में निर्देश दिया कि तीन दिन तक जो कार्यकर्ता और पदाधिकारियों की बैठक होनी है, वह पूरी तरह गोपनीय है।

ऐसे में यह बेहद अहम है कि सभी लोग

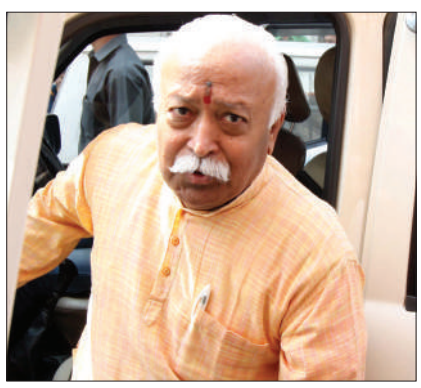

पूरी तैयारी के साथ बैठक में शामिल हो। जो सुझाव हो, उनको भी सामने रखा जाए। भागवत ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को स्वावलंबी बनाने के लिए महाराष्ट्र के कर्णावती में अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में प्रस्ताव पारित हुआ है। बैठक में प्रतिनिधि सभा के प्रस्तावों पर पर भी चर्चा की जाएगी। सुझावों पर अमल करने पर मंथन होगा। आरएसएस के अनुसांगिक संगठन के पदाधिकारी और काशी प्रांत के सभी प्रचारक आज काशी पहुंच जाएंगे। बैठक में संघ की अहम शाखा कुटुंब प्रबोधिनी को बढ़ावा देने के बारे में निर्णय लिए जाएंगे। वहीं कल सुबह पूर्व प्रांत के संगठन श्रेणी (बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, प्रांत व्यवस्था प्रमुख) और दोपहर बाद जागरण श्रेणी (प्रांत संपर्क प्रमुख, प्रांत सेवा प्रमुख, प्रांत प्रचार प्रमुख) के साथ बैठक करेंगे। अंतिम दिन रविवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ कुटुंब स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। देर रात वह लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

विधान सभा से 2024 की जमीन तैयार करेंगे अखिलेश

यूपी की सियासत के लिए तय कर ली अपनी भूमिका

मुख्य विपक्षी दल होने के नाते वहीं होंगे नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की सियासत के लिए अपनी भूमिका तय कर ली। उन्होंने आजमगढ़ लोक सभा सीट की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और मैनपुरी की करहल सीट से बतौर विधायक यूपी के अखाड़े में राजनीति करने का निर्णय सार्वजनिक कर दिया। संकेत हैं कि लोक सभा की सदस्यता छोड़ने के बाद अखिलेश ही अब विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका संभालेंगे अगर ऐसा होता है तो लगभग 13 साल बाद कोई पूर्व मुख्यमंत्री विधान सभा में सरकार के खिलाफ विपक्षी मोर्चा संभालेगा।

माना जा रहा है कि यह फैसला उन्होंने 2024 के चुनाव की जमीनी तैयारियों के लिए किया है। जैसा कि तय माना जा रहा है कि अखिलेश ही समाजवादी विधायक दल के नेता होंगे तो मुख्य विपक्षी दल होने के नाते वही नेता प्रतिपक्ष होंगे। ऐसा हुआ तो वर्ष 2009 के बाद प्रदेश में वह ऐसे पहले पूर्व सीएम होंगे जो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वाह करेंगे। उनसे पहले उनके पिता मुलायम सिंह यादव अंतिम पूर्व मुख्यमंत्री थे जिन्होंने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वाह किया था। मई 2009 के बाद से मायावती रही हों या खुद अखिलेश, इन्होंने विपक्ष में आते ही दिल्ली की राजनीति को वरीयता दी और राज्य सभा या लोक सभा के जरिये केंद्र का रास्ता पकड़ा।

अखिलेश नहीं चाहेंगे पार्टी दिखे कमजोर

वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र भट्ट कहते हैं कि काफी मुश्किलों के बाद सपा को मुख्य चुनावी संघर्ष में लाने में कामयाब होने के बाद अखिलेश नहीं चाहेंगे कि किसी भी कारण से पार्टी कमजोर दिखे और पार्टी के नेताओं में खींचतान बढ़े। विधान सभा चुनाव में भले ही अखिलेश को भाजपा की तुलना में काफी कम सीटें मिलीं लेकिन इसमें बसपा और कांग्रेस की पस्त हालत ने उन्हें उत्तर प्रदेश के अखाड़े में भाजपा से सीधे दो-दो हाथ करने का रास्ता भी दिखाया है। साथ ही यह उम्मीद भी बढ़ाई है कि 2024 के लोक सभा चुनाव में लोक सभा की सीटों के लिहाज से सबसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में अगर वे विधान सभा चुनाव के प्रदर्शन को दोहराते हुए अपनी सीटों का आंकड़ा बढ़ा लेते हैं तो राष्ट्रीय राजनीति में उनका महत्व बढ़ जाएगा, जिसके लिए उन्हें लोक सभा चुनाव तक न सिर्फ 32 प्रतिशत मतों का सुरक्षित रखना है बल्कि इसमें बढ़ोतरी भी करनी होगी। साथ ही विधायकों को भी एकजुट करके रखना होगा। ऐसे में उनके लिए लखनऊ का अखाड़ा चुनना ही विकल्प था।

इसलिए तो नहीं चुना लखनऊ का मैदान

यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर अखिलेश ने 2017 के उलट 2022 में लखनऊ के अखाड़े को क्यों वरीयता दी? इसके पीछे कुछ प्रमुख कारण नजर आ रहे हैं। एक तो अखिलेश ने 2017 में विधान सभा का कोई चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन इस बार उन्होंने मैनपुरी के करहल से विधायकी का चुनाव भी लड़ा था। दूसरे भले ही उन्हें सरकार बनाने लायक जीत नहीं मिली लेकिन जिस तरह उनके खाते में 125 सीटें आई और उन्होंने प्रदेश में विधान सभा की 403 सीटों में ज्यादातर पर भाजपा को सीधे टक्कर दी। पहली बार समाजवादी पार्टी को मिले मतों का प्रतिशत 32 से ऊपर पहुंचा है। बसपा और कांग्रेस पस्त दिखीं। इससे उनका उत्साह तो बढ़ा ही है लेकिन चुनौती भी बढ़ गई है। चुनौती बढ़ी है जनता के बीच विपक्षी पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर सपा को जनसरोकारों वाली पार्टी साबित करने, अपना वोट बैंक व जनाधार संभालने की। साथ ही साख बचाए रखते हुए 2024 के लोक सभा चुनाव की तैयारी की।

विधान सभा की सदस्यता अपने पास रखना बेहतर विकल्प

अखिलेश के सामने नेता प्रतिपक्ष के चयन की भी बड़ी चुनौती दिख रही थी। एक को बनाने पर दूसरे की नाराजगी का संकट दिख रहा था। कारण, शिवपाल को न बनाकर किसी और को बनाते तो परिवार में बिखराव का संदेश जाता। शिवपाल को बनाते तो कुछ और लोग अनमने हो सकते थे क्योंकि शिवपाल तकनीकी रूप से अभी एक अलग पार्टी के नेता भी हैं। किसी अन्य को बनाने पर भी खींचतान का खतरा था, जिससे पार्टी की एकजुटता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था। ऐसे में उनके सामने विधान सभा की सदस्यता अपने पास रखना ही बेहतर विकल्प था।

इस्तीफा न देते तो भाजपा बनाती मुद्दा

2017 के उलट 2022 में अखिलेश के सामने क्षेत्र की वरीयता का सवाल खड़ा हो गया था। मैनपुरी और उसके आसपास का क्षेत्र यादव परिवार की सियासी जमीन की ताकत माना जाता रहा है। अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से सांसद हैं। इस इलाके में अच्छी संख्या में यादव मतदाता हैं। ऐसे में अखिलेश अगर इस बार भी लोक सभा की सदस्यता अपने पास रखने का फैसला करते तो भाजपा इसे मुद्दा बनाकर उन्हें घेर सकती थी। साथ ही लोगों के बीच से भी यह सवाल उठ सकता था कि अखिलेश उत्तर प्रदेश में सिर्फ सत्ता की राजनीति करना चाहते हैं। वे विपक्ष की भूमिका नहीं निभा सकते। आरोप लगते कि जनता के दुख-दर्द को लेकर अखिलेश के सवाल सिर्फ सियासी हैं। उन्हें इनसे सरोकार होता तो वे विधान सभा की सदस्यता अपने पास रखकर जनता की समस्याओं को आवाज देते। जाहिर है कि ऐसे सवाल राजनीतिक रूप से उन्हें कमजोर करते। जिनका जवाब देना भी उनके लिए मुश्किल होता और 2024 की तैयारियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता। ऐसे सवालों से सपा को मिले मतों का जो आंकड़ा 32 प्रतिशत पहुंचा है उसे लोक सभा चुनाव तक बचाकर रखना भी सपा के लिए बड़ी चुनौती बन जाता।

योगी मंत्रिमंडल से पूर्वांचल को साधने की तैयारी में भाजपा

पिछली बार की तुलना में हुआ 23 सीटों का नुकसान

» योगी के कई मंत्रियों को देखना पड़ा था हार का मुंह

» पूर्वांचल से जीते कई विधायकों को बनाया जा सकता है मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दोबारा यूपी की सत्ता में लौटी भाजपा को पूर्वांचल में हुए सीटों के नुकसान की कसक है। सभी दलों के दिग्गजों के दमखम वाले पूर्वांचल में 23 सीटें हाथ से फिसलने के बाद भाजपा के रणनीतिकार इस गुणा-भाग में लग गए हैं कि यहां से और अधिक वोट कैसे जुटाया जाएं। ऐसे में 2024 में होने जा रहे लोक सभा चुनाव को देखते हुए योगी मंत्रिमंडल के गठन के जरिए समीकरण साधने की कोशिश कर सकती है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल में पूर्वांचल से अधिक मंत्री मंत्री बनाकर सत्ताधारी दल यहां से बड़ी जीत का मंत्र तलाश सकता है।

18वीं विधान सभा के चुनाव में भाजपा की जहां 57 सीटें खिसककर 312 से 255 ही रह गई हैं, वहीं छोटे दलों से गठबंधन के बावजूद 52 सीटें हाथ से निकल गई हैं। पिछली बार 325 विधायकों संग सरकार बनाने वाले भाजपा गठबंधन के अबकी बार 273 विधायक ही हैं। पिछले चुनाव से तुलनात्मक रूप में क्षेत्रवार देखा जाए तो भाजपा गठबंधन को सबसे ज्यादा नुकसान पूर्वांचल में हुआ है। नए सहयोगी निषाद पार्टी और अपना दल(एस) के साथ चुनाव मैदान में उतरी भाजपा को पूर्वांचल में पिछली बार से 23 सीटों का नुकसान हुआ है। पिछले चुनाव में अकेले भाजपा ही 130 में से 87 सीटें जीती थी, लेकिन इस बार 64 पर ही सफलता मिली है। पिछली बार साथ रहे सुभासपा के चार व अपना दल (एस) के नौ विधायकों संग कुल 100 सीटें मिली थीं लेकिन अबकी सहयोगियों के 13 विधायकों के साथ भी 77 सीटों पर ही सफलता मिली है।

पूर्वांचल से हारने वालों में योगी सरकार के कई मंत्री भी हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि विधान सभा चुनाव में भले ही उम्मीद के मुताबिक पूर्वांचल के नतीजे नहीं रहे हैं, लेकिन दो वर्ष बाद होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर योगी मंत्रिमंडल में इस अंचल पर खास फोकस रहेगा। जातीय समीकरण के साथ ही क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले साथ-सुथरी छवि के विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। चूंकि सहयोगी दलों के जीते 18 विधायकों में से 13 पूर्वांचल से ही हैं इसलिए उनमें से भी कुछ को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी।

ऐसा रहा प्रदर्शन

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक 136 सीटों पर अकेले लड़ने वाली भाजपा को यहां 16 सीटों का ही नुकसान हुआ है। मोदी लहर के चलते पिछले चुनाव में 109 सीटें जीतने वाली पार्टी ने इस बार 93 सीटों पर परचम लहराया है। मध्य क्षेत्र की 118 सीटों पर भगवा खेमे को न्यूनतम झटका लगा है। पिछली बार 97 सीटें जीतने वाली पार्टी खुद जहां 84 सीटें जीतने में कामयाब रही है, वहीं तीन सीटों पर सहयोगी दल को सफलता मिली है। पिछली बार बुंदेलखंड की सभी 19 सीटों पर विजय पताका फहराने वाली भाजपा के हाथ से तीन सीटें खिसक गई हैं। पार्टी खुद जहां 14 सीटों पर, वहीं दो पर सहयोगी अपना दल (एस) ने जीत हासिल की है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गंदगी से जूझते शहर और लचर तंत्र

भले ही केंद्र और राज्य सरकार साफ-सफाई पर जोर दे रही हो लेकिन इसकी जमीनी हकीकत चिंताजनक है। उत्तर प्रदेश के तमाम शहरों की सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी फैली रहती है। कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था बदतर है। इसके कारण संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ गया है। सवाल यह है कि आखिर शहर और यहां के बाशिंदे गंदगी से क्यों जूझ रहे हैं? सरकार की तमाम कवायदों का असर क्यों नहीं दिख रहा है? शहरों की साफ-सफाई पर खर्च होने वाला भारी-भरकम बजट कहां जा रहा है? नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को पंगु बना दिया है? कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था ध्वस्त क्यों हो गयी है? क्या लोगों के सेहत की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है? क्या ऐसे ही प्रदेश के शहरों को स्मार्ट बनाया जा सकेगा?

शहरों की साफ-सफाई की जिम्मेदारी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के पास है। इसके लिए सालाना बजट आवंटित किया जाता है। साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए भारी भरकम अमला है। निरीक्षण के लिए अधिकारियों की बड़ी फौज है। हर साल अरबों रुपये इनके वेतन आदि पर खर्च किए जाते हैं। बावजूद इसके हालात सुधरने के बावजूद बिगड़ते जा रहे हैं। कोरोना काल में भी साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मसलन, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में साफ-सफाई की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। यहां डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की व्यवस्था ठप है। कुछ पॉश इलाकों को छोड़ दे तो अधिकांश क्षेत्रों में सफाई कर्मी नदारद रहते हैं। खाली प्लॉट और सड़कों पर कूड़ा डंप किया जाता है। यही नहीं सड़कों के किनारे रखे गए डस्टबिन का कचरा भी कई दिनों तक पड़ा रहता है। पुराने शहर का हाल और भी खराब है। यहां शायद ही कभी सफाई कर्मी पहुंचते हैं। पानी निकासी का आलम यह है कि नालियों का गंदा पानी गली और सड़कों पर बहता रहता है। यह सब तब है जब सरकार हर साल साफ सफाई के नाम पर नगर निगम को भारी-भरकम धनराशि आवंटित करती है। हैरानी की बात यह है कि कई सरकारें आईं और गईं लेकिन कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था आज तक नहीं हो सकी। कोरोना काल में गंदगी का साम्राज्य संक्रमण को न्योता दे रहा है। जाहिर है लचर तंत्र ने शहर को बदसूरत बना दिया है और लोगों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है। यदि सरकार स्वच्छता अभियान को जमीन पर उतारना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभाग की जवाबदेही तय करनी होगी बल्कि लापरवाह कर्मियों को दंडित भी करना होगा।

भले ही केंद्र और राज्य सरकार साफ-सफाई पर जोर दे रही हो लेकिन इसकी जमीनी हकीकत चिंताजनक है। उत्तर प्रदेश के तमाम शहरों की सफाई व्यवस्था चरमरा चुकी है। सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी फैली रहती है। कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था बदतर है। इसके कारण संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कांग्रेस में नीति व नेतृत्व का संकट

रशीद किदवई

हालिया विधान सभा चुनावों के नतीजे कांग्रेस के लिए बेहद निराशाजनक रहे, खासकर पंजाब, उत्तराखंड और गोवा के लेकिन कांग्रेस के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि उसमें आत्मविश्वास की कमी है तथा उसे आशा की कोई किरण नजर नहीं आ रही है, जिससे उसका मनोबल बढ़े और 2024 तक जिन राज्यों के चुनाव हैं, वहां उसका प्रदर्शन बेहतर हो। कांग्रेस आलाकमान और पार्टी के असंतुष्ट खेमे की रणनीति इतनी लचर है कि उससे भी विध्वंस से फिर निर्माण होने की कोई संभावना नहीं दिखती। पार्टी के भीतर उथल-पुथल मची हुई है।

इस पार्टी की एक राजनीतिक सोच व विचारधारा रही है, जिसके आधार पर उसे भाजपा के विरोध में एक राष्ट्रीय राजनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाता है लेकिन पंजाब में बड़ी जीत ने आम आदमी पार्टी को नयी गति और दिशा दी है। कहा जा सकता है कि आगामी विधान सभा चुनावों में, लोक सभा चुनाव में भी, पार्टी कांग्रेस को चुनौती देगी। ऐसे में भाजपा के साथ कांग्रेस की वैचारिक और राजनीतिक लड़ाई तो चलेगी ही, उसे आम आदमी पार्टी का भी सामना करना होगा। कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी को एक गूढ़ और सधी हुई नेत्री माना जाता है। नब्बे के दशक के अंतिम वर्षों से, जब वे सक्रिय राजनीति में आयी थीं, तब से लेकर 2014 में यूपीए सरकार के रहने तक उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया था पर अब वे रक्षात्मक मुद्रा में नजर आती हैं। कांग्रेस कार्य समिति की हालिया बैठक में उन्होंने कह दिया कि यदि कांग्रेसजन नेहरू-गांधी परिवार को हार का दोषी मानते हैं तो वे, राहुल और प्रियंका पदत्याग करने के लिए तैयार हैं। आज की कांग्रेस उस स्थिति में नहीं है कि वह नेहरू-गांधी परिवार से संबंध विच्छेद कर ले। यह परिवार भी वैसी स्थिति में नहीं है कि वह कांग्रेस के बिना सार्वजनिक जीवन में रह सके। यह ऐसी समस्या है, जिसका कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। असंतुष्टों की बात करें तो उनके पास भी कोई नेता नहीं है। कभी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कांग्रेस से अलग होकर जन मोर्चा बनाया था और फिर उसके बरक्स एक राजनीतिक विकल्प खड़ा किया था। असंतुष्ट नेताओं के पास मुद्दे भी नहीं हैं। भारतीय राजनीति में जब भी बदलाव हुआ है तो उस प्रक्रिया में आदर्शवाद एक कारक होता है। उदाहरण के लिए

हम जयप्रकाश नारायण के आंदोलन को देख सकते हैं। विश्वनाथ प्रताप सिंह और बाद में अन्ना हजारे-अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार का मामला उठा कर लामबंदी की। राहुल गांधी ने जरूर कोशिश की और कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने, राफेल खरीद में गड़बड़ी होने, कोरोना महामारी का ठीक से प्रबंधन नही होने आदि मसले उठाये पर जनता में कोई असर होता नहीं दिखता।

हार का विश्लेषण करते हुए कांग्रेस इस सवाल का जवाब खोजने से चूक गयी कि वह उत्तराखंड में क्यों हारी, जहां मुख्यमंत्री को हार का सामना करना पड़ा, जहां पार्टी के पास एक अनुभवी चेहरा था, जहां सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की स्थिति भी नहीं थी। क्या कांग्रेस की ऐसी ही हालत हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक या गुजरात में नहीं होगी, जहां आगे चुनाव होने हैं? साल 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी चुनाव होंगे। इन जगहों पर कांग्रेस जिस आंतरिक तनातनी से गुजर रही है, उसे देखते हुए यह कह पाना मुश्किल है कि इन राज्यों में कांग्रेस अपना पिछला प्रदर्शन दोहरा सकेगी। राज्य के नेताओं के आपसी तनाव को हल करने के आलाकमान के उपाय बहुत कामयाब नहीं हुए हैं। पार्टी के संकट का एक मुख्य पहलू यह है कि नेहरू-गांधी परिवार अपने अस्तित्व को बचाने की कोशिश में है और वह कांग्रेस के भीतर अपने नेतृत्व को स्वीकार्य बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्हें अपनी राजनीतिक धरोहर की भी याद नहीं है कि कांग्रेस का राजनीतिक नेतृत्व हमेशा उस परिवार के पास ही रहा है, भले ही पार्टी अध्यक्ष कोई हो। इस बारे में उन्हें कोई संशय नहीं रखना चाहिए। ऐसे में परिवार अध्यक्ष पद नहीं छोड़ना चाहता है। सोनिया गांधी ने जो त्यागपत्र देने की पेशकश की, वह कोई ठोस पेशकश नहीं थी। पार्टी ने चिंतन-मनन के लिए भी कुछ महीने बाद का समय तय किया है। प्रश्न यह उठता है कि कांग्रेस के पास कौन-सा ऐसा महत्वपूर्ण काम है कि पार्टी के वर्तमान व भविष्य पर सोच-विचार के लिए भी उन्हें इतना बड़ा अंतराल चाहिए। असंतुष्ट खेमा भी सोच को लेकर स्पष्ट नहीं है और उसकी दिलचस्पी पार्टी में अपना वर्चस्व बनाये रखने की है। ऐसे में कांग्रेस को अपने निर्णयों और नीतियों पर तुरंत गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए।

ऊर्जा का मूल्य बढ़ाकर खपत घटाइए

भरत झुनझुनवाला

यूक्रेन के युद्ध ने ईंधन तेल की समस्या को सामने लाकर खड़ा कर दिया है। कुछ माह पूर्व विश्व बाजार में कच्चे तेल का दाम 80 रुपए प्रति बैरल था जो बढ़कर 110 रुपये हो गया है। आगे इसके 150 डॉलर तक चढ़ने की संभावना है। ऐसी परिस्थिति में वर्तमान में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 130 रुपये प्रति लीटर तक होने की संभावना है। हमारे लिए यह संकट है क्योंकि हम अपनी खपत का लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात करते हैं। यूक्रेन युद्ध अथवा ऐसे ही अन्य संकट के कारण यदि तेल की सप्लाई कम हो गई और इसके दाम बढ़ गए तो हमारी पूरी अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी। हमारे पास ऊर्जा के दूसरे स्रोत भी नहीं हैं। कोयला हमारे पास लगभग आने वाले 150 वर्ष की सामान्य जरूरत के लिए है परंतु जैसे-जैसे हम कोयले का खनन करते हैं वैसे-वैसे उसकी गुणवत्ता कम होती जाती है और इसलिए हम वर्तमान में कोयले का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। यूरेनियम भी अपने देश में कम है, जिसके कारण हम परमाणु ऊर्जा नहीं बना सकते हैं।

हमारे पास केवल दो स्रोत बचते हैं-सोलर एवं हाइड्रो पॉवर। सोलर के विस्तार के लिए सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं और इसमें तेजी से वृद्धि भी हुई है परंतु आकलनों के अनुसार इस तीव्र वृद्धि के बावजूद 2050 में सोलर ऊर्जा से हम केवल अपनी 14 प्रतिशत जरूरतों की पूर्ति कर सकेंगे इसलिए सोलर पॉवर हमारी ऊर्जा सुरक्षा का स्तंभ नहीं बन सकता है। हाइड्रो पॉवर की भी सीमा है क्योंकि तमाम नदियों के ऊपर बंपर से बंपर जुड़े हुए हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट पहले ही लग चुके हैं। बची हुई नदियों के ऊपर हम हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट लगा भी दें तो भी इनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव भारी हैं। हाइड्रो पॉवर के बड़े तालाबों में मच्छर पैदा होते हैं और उन क्षेत्रों में मलेरिया का प्रकोप अधिक होता है। पानी की गुणवत्ता का ह्रास होता है।

नदी का सौंदर्य जाता रहता है। मछलियां मरती हैं और जैव विविधता समाप्त होती है। अत: जब हम हाइड्रो पॉवर बनाते हैं तो हमारे जीवन स्तर पर एक साथ दो विपरीत प्रभाव पड़ते हैं। एक तरफ हमें बिजली उपलब्ध होती है, जिससे जीवन स्तर में सुधार होता है तो दूसरी तरफ स्वास्थ्य, पानी और सौंदर्य का ह्रास होता है जिससे हमारे जीवन स्तर में गिरावट आती है। देश के लिए हानिप्रद होते हुए भी हाइड्रो पॉवर को बढ़ाया जा रहा है परंतु इससे हमारी ऊर्जा सुरक्षा स्थापित नहीं होती क्योंकि इसकी सीमा है। एक और घरेलू स्रोत बायो डीजल अथवा एथेनॉल का है। यहां संकट खाद्य सुरक्षा का है। जब हम खेती की जमीन पर बायो डीजल बनाने के लिए गन्ने का उत्पादन बढ़ाते हैं तो उसी अनुपात में गेहूं, चावल और अन्य फल, सब्जी का उत्पादन घटता है जिससे हमारी खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। पानी का भी संकट बनता है क्योंकि गन्ने के उत्पादन में गेहूं की तुलना में लगभग 10 गुना पानी अधिक प्रयोग होता है। संपूर्ण देश में भूमिगत जल का स्तर तेजी से नीचे गिर रहा है जिसके कारण हम बायो डीजल का उत्पादन भी नहीं बढ़ा सकेंगे। परमाणु ऊर्जा की भी समस्या है क्योंकि यूरेनियम अपने देश में है ही नहीं। इसका एक विकल्प थोरियम है लेकिन थोरियम से यूरेनियम बनाने में हम फिलहाल बहुत पीछे हैं। चीन इसी वर्ष थोरियम से चलने वाले एक प्रायोगिक परमाणु रिएक्टर को शुरू करने जा रहा है जबकि हम केवल अभी ड्राइंग बोर्ड पर ही सीमित हैं इसलिए अगले 20-30 वर्षों में हम थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा बनाएंगे इसकी संभावना नहीं के बराबर है। इस परिस्थिति में हम ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाकर किसी भी तरह से अपनी ऊर्जा सुरक्षा स्थापित नहीं कर सकते हैं। हमारे पास केवल एक उपाय है कि हम अपनी खपत को कम करें। नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में बताया गया कि विश्व के ऊपरी 10 प्रतिशत लोगों द्वारा 50 प्रतिशत ऊर्जा की खपत होती है। अत: यदि हम ऊर्जा के दाम में भारी वृद्धि करें तो इसका अधिक प्रभाव ऊपरी वर्ग पर पड़ेगा और यदि इस पर लगाए गए टैक्स का उपयोग हम आम आदमी के हक में करें तो आम आदमी के जीवन स्तर पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा। जितना अधिक खर्च उसके द्वारा महंगी ऊर्जा की खरीद में किया जाएगा उससे ज्यादा लाभ उसे सार्वजनिक सुविधाओं जैसे बस की उपलब्धता से हो सकता है। इसलिए सरकार को तेल और बिजली दोनों पर भारी 'ऊर्जा सुरक्षा' टैक्स आरोपित करना चाहिए। इनके दाम में भारी वृद्धि करनी चाहिए। तेल पर प्रति लीटर और बिजली पर प्रति यूनिट का ऊर्जा सुरक्षा टैक्स लागू कर देना चाहिए। साथ-साथ जनता को 300 यूनिट तक की बिजली की खपत मुफ्त करा दी जाए जिससे आम आदमी पर तेल और बिजली के बढ़े दाम का प्रभाव न पड़े।

ऊर्जा सुरक्षा स्थापित करने का दूसरा उपाय है कि हम मैन्युफैक्चरिंग के आधार 'मेक इन इंडिया' को बढ़ाने के स्थान पर सेवा क्षेत्र के आधार पर 'सर्वड फ्रॉम इंडिया' के विस्तार पर ध्यान दें। 100 रुपये की आय बनाने में जितनी ऊर्जा मैन्युफैक्चरिंग में लगती है उसका केवल दसवां हिस्सा सेवा क्षेत्र में लगता है। सेवा क्षेत्र में सॉफ्टवेयर, संगीत, ट्रांसलेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि आते हैं जहां पर कम ऊर्जा में अधिक उत्पादन किया जाता है। यदि हम अपनी आय को सेवा क्षेत्र से हासिल करें तो हम कम ऊर्जा में अधिक आय हासिल कर सकते हैं। अत: सरकार को उत्पादित माल जैसे कार, एल्यूमीनियम, स्टील आदि के निर्यात पर भी भारी निर्यात टैक्स लगाना चाहिए, जिससे इनका उत्पादन कम हो और देश में ऊर्जा की खपत कम हो। इस दिशा में सरकार को शीघ्र कदम उठाने चाहिए।

घर में सुख-शांति और स्वास्थ्य के लिए

शीतलाष्टमी

सनातन धर्म में प्राचीन काल से ही दैहिक, दैविक एवं भौतिक कष्टों के निवारण के लिए देवी-देवताओं की अलग-अलग रूपों में पूजा करने का विधान अनेक धर्मशास्त्रों में बताया गया है। अर्थात देवी-देवता हर प्रकार के कष्टों से सदैव हमारी रक्षा करते हैं। ऐसा ही एक रूप है मां पार्वती स्वरूपा मां शीतला देवी का। जिनकी उपासना अनेक संक्रामक रोगों से हमें रोग मुक्त करती है। मां शीतला देवी की पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को की जाती है। इस वर्ष यह पर्व 25 मार्च यानी कल गुरूवार को मनाया जाएगा। प्रकृति के अनुसार शरीर निरोगी हो, इसलिए भी शीतला अष्टमी की पूजा-व्रत करना चाहिए।

घरों के मुख्यद्वारों पर स्वास्तिक बनायें

शीतला माता के पूजन के बाद उस जल से आंखें धोई जाती हैं। यह परंपरा गर्मियों में आंखों का ध्यान रखने की हिदायत का संकेत है। माता का पूजन करने के बाद हल्दी का तिलक लगाया जाता है, घरों के मुख्यद्वार पर सुख-शांति एवं मंगल कामना हेतु हल्दी के स्वास्तिक बनाए जाते हैं। हल्दी का पीला रंग मन को प्रसन्नता देकर सकारात्मकता को बढ़ाता है, भवन के वास्तु दोषों का निवारण होता है।

पूजा का महत्व

भगवती शीतला की पूजा-अर्चना का विधान भी अनोखा होता है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं। अष्टमी के दिन बासी पकवान ही देवी को नैवेद्ध के रूप में समर्पित किए जाते हैं। लोकमान्यता के अनुसार आज भी अष्टमी के दिन कई घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता है और सभी भक्त खुशी-खुशी प्रसाद के रूप में बासी भोजन का ही आनंद लेते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि इस समय से ही बसंत की विदाई होती है और ग्रीष्म का आगमन होता है, इसलिए अब यहां से आगे हमें बासी भोजन से परहेज करना चाहिए।

मां की उपासनां का मंत्र

स्कंद पुराण में वर्णित मां का यह पौराणिक मंत्र? ह्रीं श्रीं शीतलायै नमः भी प्राणियों को सभी संकटों से मुक्ति दिलाकर समाज में मान सम्मान पद एवं गरिमा की वृद्धि कराता है। जो भी भक्त शीतला मां की भक्तिभाव से आराधना करते हैं मां उन पर अनुग्रह करती हुई उनके घर-परिवार की सभी विपत्तिओं से रक्षा करती हैं। माँ का ध्यान करते हुए शास्त्र कहते हैं कि, वन्देऽहंशीतलांदेवीं रासभस्थांदिगम्बराम्। मार्जनीकलशोपेतां सूर्पालंकृतमस्तकाम् 77 अर्थात- मैं गर्दभ पर विराजमान, दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली,सूप से अलंकृत मस्तक वाली भगवती शीतला की वंदना करता हूं।

इस वंदना मंत्र से यह पूर्णत स्पष्ट हो जाता है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। ऋषि-मुनि-योगी भी इनका स्तवन करते हुए कहते हैं कि शीतले त्वं जगन्माता शीतले त्वं जगत्पिता शीतले त्वं जगद्धात्री शीतलायै नमो नमः अर्थात- हे माँ शीतला। आप ही इस संसार की आदि माता हैं, आप ही पिता हैं और आप ही इस चराचर जगत को धारण करतीं हैं अतः आप को बारम्बार नमस्कार है।

शीतला अष्टमी का शुभ मुहूर्त

चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि प्रारंभ-25 मार्च, 2022 को आधी रात के बाद 2 बजकर 39 मिनट से शुरू

चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि समापन- 26 मार्च, 2022 को दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर समापन

हंसना मना है

रमेश- मुझे अपनी पत्नी से तलाक चाहिए, वो पिछले 6 महीने से मुझसे बात नहीं कर रही है। वकील- एक बार अच्छी तरह से सोच लो , ऐसी पत्नी बार बार नहीं मिलती।

पत्नी- मैं घर छोड़ कर जा रही हूं। पति- हां जान छोड़ो अब। पत्नी- बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है।

बरसात के प्यारे मौसम में.... सिंगल- सपने देखते हैं, कपल : डेट करते हैं। शादीशुदा- ये कपड़े कहां सूखने डालूं।

संता- ऐसा लगता है कि वो लड़की ऊंचा सुनती है। मैं कुछ कहता हूं वो कुछ और ही बोलती है। बंता- वो कैसे? संता- मैंने कहा- आई लव यू, तो वह बोली मैंने कल ही नए सैंडल खरीदे है।

लड़की देखने हरीश सपरिवार पहुंचा। उनके सामने लड़की के गुणों की प्रशंसा की जा रही थी। लड़की वालों ने कहा- सीमा की आवाज कोयल जैसी है, उसकी गर्दन तो मोरनी के जैसी है, चाल हिरणी जैसी और स्वभाव में से तो गाय है। हरीश ने कहा, जी, क्या इसमें कोई इंसानी गुण भी हैं?

एक हैंडसम लड़का क्लास में आया। और सारी लड़किया देखते ही दीवानी हो गईं। लेकिन फिर लड़के ने आते ही कुछ ऐसा कहा कि लड़कियां बेहोश हो गईं। सोचो क्या कहा होगा? थोड़ी जगह देना बहन जी। झाड़ू लगानी है, हाय रे बेरोजगारी।

कहानी — स्त्री का विश्वास

एक स्थान पर एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी बड़े प्रेम से रहते थे। किन्तु ब्राह्मणी का व्यवहार ब्राह्मण के कुटुम्बियों से अच्छा नहीं था। परिवार में कलह रहता था। प्रतिदिन के कलह से मुक्ति पाने के लिये ब्राह्मण ने मां-बाप, भाई-बहन का साथ छोड़कर पत्नी को लेकर दूर देश में जाकर अकेले घर बसाकर रहने का निश्चय किया। यात्रा लंबी थी। जंगल में पहुंचने पर ब्राह्मणी को बहुत प्यास लगी। ब्राह्मण पानी लेने गया। पानी दूर था, देर लग गई। पानी लेकर वापस आया तो ब्राह्मणी को मरी पाया। ब्राह्मण बहुत व्याकुल होकर भगवान से प्रार्थना करने लगा। उसी समय आकाशवाणी हुई कि-ब्राह्मण ! यदि तू अपने प्राणों का आधा भाग इसे देना स्वीकार करे तो ब्राह्मनी जीवित हो जायगी। ब्राह्मण ने यह स्वीकार कर लिया। ब्राह्मणी फिर जीवित हो गई। दोनों ने यात्रा शुरू कर दी। वहाँ से बहुत दूर एक नगर था। नगर के बारा में पहुँचकर ब्राह्मण ने कहा- प्रिये ! तुम यहीं ठहरो, मैं अभी भोजन लेकर आता हूँ। ब्राह्मण के जाने के बाद ब्राह्मणी अकेली रह गई। उसी समय बारा के कूएं पर एक लंगड़ा, किन्तु सुन्दर जवान रहट चला रहा था। ब्राह्मणी उससे हँसकर बोली। वह भी हँसकर बोला। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों ने जीवन भर एक साथ रहने का प्रण कर लिया। ब्राह्मण जब भोजन लेकर नगर से लौटा तो ब्राह्मणी ने कहा यह लंगड़ा व्यक्ति भी भूखा है, इसे भी अपने हिस्से में से दे दो। जब वहां से आगे प्रस्थान करने लगे तो ब्राह्मणी ने ब्राह्मण से अनुरोध किया कि- इस लंगड़े व्यक्ति को भी साथ ले लो। रास्ता अच्छा कट जायगा। तुम जब कहीं जाते हो तो मैं अकेली रह जाती हूँ। बात करने को भी कोई नहीं होता। इसके साथ रहने से कोई बात करने वाला तो रहेगा। ब्राह्मण ने कहा- हमें अपना भार उठाना ही कठिन हो रहा है, इस लँग? का भार कैसे उठायेंगे? ब्राह्मणी ने कहा- हम इसे पिटारी में रख लेंगे। ब्राह्मण को पत्नी की बात माननी पड़ी। कुछ दूर जाकर ब्राह्मणी और लंगड़े ने मिलकर ब्राह्मण को धोखे से कुएं में धकेल दिया। उसे मरा समझ कर वे दोनों आगे बढ़े। नगर की सीमा पर राज्य-कर वसूल करने की चौकी थी। राजपुरुषों ने ब्राह्मणी की पटारी को जबर्दस्ती उसके हाथ से छीन कर खोला तो उस में वह लंगड़ा छिपा था। यह बात राज-दरबार तक पहुंची। राजा के पूछने पर ब्राह्मणी ने कहा-यह मेरा पति है। अपने बन्धु-बान्धवों से परेशान होकर हमने देश छोड़ दिया है। राजा ने उसे अपने देश में बसने की आज्ञा दे दी। कुछ दिन बाद, किसी साधु के हाथों कुएं से निकाले जाने के उपरान्त ब्राह्मण भी उसी राज्य में पहुंच गया। ब्राह्मणी ने जब उसे वहाँ देखा तो राजा से कहा कि यह मेरे पति का पुराना वैरी है, इसे यहाँ से निकाल दिया जाये, या मरवा दिया जाये। राजा ने उसके वध की आज्ञा दे दी। ब्राह्मण ने आज्ञा सुनकर कहा- देव! इस स्त्री ने मेरा कुछ लिया हुआ है। वह मुझे दिलवा दिया जाये। राजा ने ब्राह्मणी को कहा-देवी! तूने इसका जो कुछ लिया हुआ है, सब दे दे । ब्राह्मणी बोली-मैंने कुछ भी नहीं लिया। ब्राह्मण ने याद दिलाया कि-तूने मेरे प्राणों का आधा भाग लिया हुआ है। सभी देवता इसके साक्षी हैं। ब्राह्मणी ने देवताओं के भय से वह भाग वापिस करने का वचन दे दिया। किन्तु वचन देने के साथ ही वह मर गई । ब्राह्मण ने सारा वृत्तान्त राजा को सुना दिया ।

10 अंतर खोजें

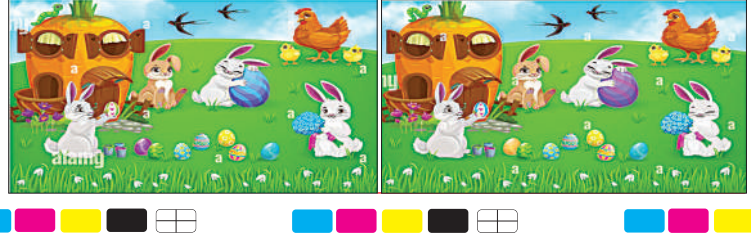

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको पार्टनर से रोमांस करने का मौका मिल सकता है। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। अपनी भावनाएं पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं।

वृषभ

पति-पत्नी के बीच सब ठीक रहेगा। पार्टनर की तरफ आपको भरपूर प्यार मिलेगा। अपने मन की बात पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं। आज के दिन प्यार का इजहार कर सकते हैं।

मिथुन

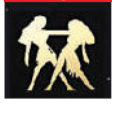

पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बनाएंगे। आज आपको लगेगा कि आपका पार्टनर केवल निजी फायदे के लिए आपका इस्तेमाल कर रहा है ना कि वह भावनात्मक रूप से जुड़ा है।

कर्क

पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करें। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

सिंह

सिंगल लोग भी अपने दोस्तों के साथ मस्ती करेंगे। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। अपनी पार्टनर को कविता लिखें इससे आपको बहुत फायदा होगा।

कन्या

पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो आपके लिए समय अच्छा है।

तुला

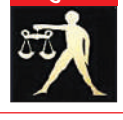

आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबी चल सकती है। प्रेमी के साथ घूमने जा सकते हैं। आकस्मिक मुलाकात आपके लिए यादगार साबित होगी। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक

पार्टनर से गलतफहमी के चलते संबंध खराब हो सकते हैं। बिगड़े रिश्तों में मधुरता लाने का प्रयास करें। सोच-समझकर कोई कदम उठाएं। प्यार में बाधा आ सकती है।

धनु

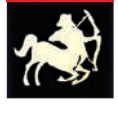

आपका पार्टनर आपके बिगड़े मूड को अपने मिजाज से खुशनुमा बना देगा। वाद-विवाद से बचें। रिश्तों में तनाव ना आएं इसका ध्यान रखें। पार्टनर से प्यार मिलेगा।

मकर

पुरानी चिंताओं से मुक्ति मिलेगी। पार्टनर की ओर से प्यार मिलेगा। पार्टनर से किसी बात को मनवाने का दबाव ना बनाएं। पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है।

कुम्भ

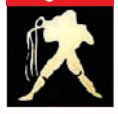

पार्टनर की किसी बात से परेशान हो सकते हैं। तनाव दूर करने के लिए दोस्तों से मुलाकात कर सकते हैं। लव-लाइफ के लिए आज का दिन ठीक रहेगा। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है।

मीन

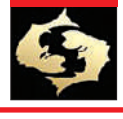

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है।

आश्रम की बबीता ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉबी देओल की वेब सीरीज आश्रम में कई नए चेहरे देखने को मिले थे, जो आज किसी पहचान के मोहताज नहीं रह गए हैं। इसी लिस्ट में एक नाम त्रिधा चौधरी का है, जो शो में बबीता के रोल में नजर आई थीं। त्रिधा असल जिंदगी में भी बेहद बोल्ड और बेबाक हैं। त्रिधा ने न सिर्फ अपने बेहतरीन अभिनय, बल्कि दिलकश अदाओं से भी लोगों का ध्यान खूब खींचा है।

त्रिधा अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी एक से एक तस्वीरें शेयर कर लोगों के होश उड़ा देती हैं। अक्सर फैंस उनके लुक के दीवाने रहते हैं। एक्ट्रेस अब एक बार फिर से अपने लेटेस्ट पोस्ट के कारण सुर्खियां बटोरती नजर आ रही हैं। त्रिधा ने अपनी हॉटनेस से लोगों को मदहोश कर दिया है।

फैंस उनके इस लुक से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक ऐसी तस्वीर शेयर कर दी है, जिसे देखने के बाद लोगों के होश उड़ गए हैं। उनके इस फोटोशूट ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है।

फोटो में त्रिधा को ब्लैक कलर की मोनोकिनी पहने देखा जा सकता है। वह पत्तों के बीच नजर आ रही हैं। बोल्डनेस दिखाने के लिए इस बार त्रिधा ने मोनोकिनी के साथ चेक प्रिंट शर्ट पेयर की हैं और सारे बटन को खोला हुआ है।अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए त्रिधा ने लाइट मेकअप किया है और बालों को ओपन रखा है। एक्ट्रेस का ये किलर लुक फैंस के क्रेजी करने के लिए काफी है। अब त्रिधा के चाहने वालों के बीच उनके इस लुक को बेहद पसंद किया जा रहा है। उनकी इस फोटो पर अब तक हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनके इस अवतार की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। वैसे, आपको बता दें कि त्रिधा अक्सर फैंस के साथ अपना इस तरह का बोल्ड अवतार शेयर करती रहती हैं। त्रिधा ने 2013 में बंगाली फिल्म मिशौर रोहोस्यो से करियर की शुरूआत की थीं।

खतरनाक एक्शन से भरपूर है अटैक का ट्रेलर-2

बॉलीवुड | तड़का

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म अटैक को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही फिल्म का पहला ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों द्वारा मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली। वहीं, अब मेकर्स ने फिल्म का दूसरा ट्रेलर जारी कर दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मेकर्स ने अकैट का दूसरा ट्रेलर जारी कर दिया है फिल्म में जॉन के अलावा एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगीं। फिल्म में फैंस को जॉन का लुक काफी पसंद आ रहा है। ट्रेलर देखने के बाद इस बात से पर्दा उठ गया है कि जॉन अब्राहम की अटैक खतरनाक एक्शन और धांसू स्टंट से भरपूर होगी। फिल्म में

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से जॉन को एक सिपाही के रूप में तैयार किया जाता है।

फिल्म में जॉन सुपर सोल्जर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। ट्रेलर सामने आने के बाद से ही यूजर्स फिल्म देखने के लिए बेकरार बैठे हैं। कमेंट सेक्शन में फैंस ने तारीफों की बौछार की है। बता दें कि पहले ये फिल्म 28 जनवरी को रिलीज होने वाली थी, लेकिन किसी कारण की वजह से इसकी तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। अब फिल्म 1 अप्रैल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्य राज आनंद ने किया है। वहीं, जॉन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार सत्यमेव जयते 2 में नजर आए थे, जो फ्लॉप साबित हुई। इसके अलावा इस समय जॉन फिल्म पठान की शूटिंग में व्यस्त हैं। पठान में जॉन अब्राहम के साथ शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं।

बॉलीवुड | समन

सलमान खान को भेजा समन फिर कोर्ट में पेश होंगे भाईजान

सलमान खान फिल्मों के अलावा विवादों में रहने की वजह से भी काफी चर्चा में रहे हैं। अब सलमान खान को मुंबई के एक कोर्ट ने समन भेजा है। दिग्गज अभिनेता पर आरोप है कि उन्होंने एक पत्रकार के साथ खराब बर्ताव किया है। जिसके चलते कोर्ट ने सलमान खान को समन भेजकर पेश होने को कहा है। न्यूज एजेंसी एएनआई की खबर के अनुसार मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने सलमान खान को समन भेजकर 5 अप्रैल तक कोर्ट में पेश होने को कहा है। उन्हें यह समन तीन साल पहले के एक मामले में भेजा गया है। सलमान खान के खिलाफ पत्रकार अशोक पांडेय ने साल 2019 में एक केस दर्ज करवाया है। इस केस में उन्होंने अभिनेता पर उनके साथ खराब व्यवहार करने का आरोप लगाया है। अंधेरी के मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सलमान खान को आईपीसी की धारा 504 और 506 के तहत समन भेता है। वहीं दूसरी ओर हिरण शिकार मामले में सलमान खान को सोमवार को राजस्थान हाई कोर्ट से ब?ी राहत मिली। अब हिरण शिकार मामले से जु?ी तीन याचिकाओं की सुनवाई सेशन कोर्ट के बजाय हाई कोर्ट में ही होगी। हाई कोर्ट ने सलमान की ट्रांसफर पिटीशन पर सभी मामलों की सुनवाई हाई कोर्ट में करने पर सहमति जता दी। सलमान ने सेशन कोर्ट में विचाराधीन अपील को हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की याचिका लगा रखी थी। सुनवाई के दौरान सलमान की बहन अलवीरा कोर्ट में मौजूद रही। कांकाणी गांव की सरहद में दो काले हिरण का शिकार करने के मामले में सलमान खान को ट्रायल कोर्ट ने दोषी करार देते हुए पांच वर्ष की सजा सुना रखी है। आर्म्स एक्ट में सलमान को बरी कर दिया गया।

किडनी वाला गांव : ज्यादातर लोगों के एक ही किडनी, फिर भी रहते हैं खुश

ईश्वर ने शरीर के इंसान में कुछ अंग दो दिए दिए हैं। अगर इनमें से एक खराब भी हो जाए तो दूसरे के सहारे व्यक्ति जिंदा रह सकता है। ऐसे ही अंगों में से एक अंग है इंसान की किडनी। अगर किसी व्यक्ति की एक किडनी खराब भी हो जाए तो दूसरी किडनी के सहारे वह जिंदा रह सकता है। वहीं दुनिया में एक ऐसा गांव भी है, जहां रहने वाले ज्यादातर लोगों के एक ही किडनी है। इसे एक किडनी वाला गांव भी कहा जाता है। यहां एक दो नहीं बल्कि सैंकड़ों लोग ऐसे हैं, जो एक किडनी के सहारे ही जी रहे हैं। यह अनोखा गांव अफगानिस्तान के हेरात शहर के पास मौजूद है और इसका नाम शेनशायबा बाजार है। इस गांव को एक किडनी वाले गांव के नाम से भी जाना जाता है। यहां रहने वाले ज्यादातर लोग सिर्फ एक किडनी पर जिंदा हैं। ऐसा नहीं है कि जन्म से ही इनके एक ही किडनी है। इनमें से ज्यादातर लोगों ने अपनी एक किडनी बेच दी है। दरअसल, अफगानिस्तान के इस गांव में गरीबी बहुत ज्यादा है। ऐसे में यहां के लोगों को अपने खाने की प्लेट और शरीर के अंगों में से किसी एक को चुनना होता है। अफगानिस्तान में तालिबान राज आने के बाद यहां के हालात बद से बदतर हो गए हैं। ऐसे में यहां के लोगों ने अपने परिवार का पेट भरने के लिए शरीर के अंग बेचने शुरू कर दिए। इसी वजह से इस गांव के ज्यादातर लोग अपनी किडनी बेच चुके हैं। किडनी बेचने से मिले पैसों से उन्होंने अपने कर्जे चुकाए और परिवार के खाने का इंतजाम किया। ब्लैक मार्केट में किडनी बेचना यहां के लोगों के लिए आम बात हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार इस गांव के ज्यादातर पुरुष और महिलाएं अपनी किडनी बेच चुके हैं। यहां अगर डोनर लिखित में अपनी किडनी निकालने की इजाजत देता है तो किडनी निकालने में कोई गुरेज नहीं होता। रिपोर्ट के अनुसार एक किडनी लगभग 2 लाख 21 हजार रुपए यानि 250,000 अफगानी मुद्रा में बिकती है। वहीं जिन लोगों ने किडनी बेची है, उनमें से ज्यादातर लोगों का कहना है कि उन्हें कभी-कभार पछतावा होता है क्योंकि वे अब ज्यादा काम नहीं कर सकते और दर्द भी होता है।

अजब-गजब | जन्म के बाद चली जाती है आंखों की रोशनी

इस रहस्मयी गांव में रहने वाले इंसान और जानवर सब अंधे

दुनिया में कई ऐसी रहस्मयी चीजे हैं, जिनके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाता है। एक ऐसा ही गांव के जिसके बारे में जानकर सभी हैरान हो जाते हैं और जल्दी से किसी को इस पर यकीन नहीं होता। दरअसल, मैक्सिको में एक विचित्र गांव है। इस गांव में इंसानों से लेकर जानवर तक हर कोई अंधा है। इस विचित्र गांव का नाम टिल्टेपक है। इस गांव को अंधों का गांव भी कहा जाता है।

मैक्सिको के टिल्टेपक गांव में रहने वाले इंसानों के साथ यहां के जानवर भी अंधे हैं। इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी गांवों में एक माना जाता है। इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य बताया जाता है। हर कोई इस गांव के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाना चाहता है। इस गांव में एक विशेष जनजाति के लोग रहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस रहस्मयी गांव में जेपोटेक जनजाति के लोग रहते हैं। खास बात यह है कि जब इस गांव में किसी बच्चे का जन्म होता है तो वह बिल्कुल ठीक होता है। उसकी आंखें भी ठीक होती हैं लेकिन जन्म के कुछ दिन बाद ही बच्चों की आंखों की रोशनी चली जाती है और वह भी सबकी तरहशापित पेड़ को मानते हैं वजह! इस गांव में रहने वाले लोग अपने अंधेपन की एक पेड़ को मानते हैं। गांव के लोगों का मानना है कि यहां लावजुएला नामक एक शापित पेड़ है। इस पेड़ को देखने के बाद लोग अंधे हो जाते हैं। सिर्फ इंसान ही नहीं बल्कि यहां रहने वाले पशु-पक्षी तक भी अंधे हो जाते हैं। वहीं वैज्ञानिक इस तर्क को नहीं मानते। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों के अंधेपन के पीछे कोई पेड़ वजह नहीं है, बल्कि एक खतरनाक और जहरीली मक्खी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक खास किस्म की जहरीली मक्खी के काटने से लोगों के आंखों की रोशनी चली जाती है। गांव के लोग झोपड़ियों में रहते हैं। इस गांव में करीब 70 झोपड़ियां हैं, जिनमें करीब 300 लोग रहते हैं और ये सभी अंधे हैं। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी झोपड़ी में खिड़की नहीं है। हालांकि माना जाता है कि कुछ लोगों की आंखों की रोशनी ठीक होगी और उस वजह से ही बाकी के लोग यहां सर्वाइव कर पाते हैं।

यूपी बोर्ड : कड़ी निगरानी में छात्रों ने दी परीक्षा, सचल दस्ते भी तैनात

अपर मुख्य सचिव ने किया केन्द्रों का निरीक्षण, सीएम ने दी शुभकामनाएं

नकल विहीन परीक्षा कराने को किए गए पुख्ता इंतजाम

फोटो: सुमित कुमार

» सीसीटीवी कैमरे व वायस रिकार्डर से हो रही मानिटरिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व की सबसे बड़ी परीक्षा का आयोजन कराने वाले उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड ने आज हाई स्कूल तथा इंटर की परीक्षाओं को शुरू किया। बोर्ड के अधिकारियों की कड़ी निगरानी में परीक्षा हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं तो अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा अराधना शुक्ला ने केन्द्रों का निरीक्षण किया और बच्चों को फूल देकर उनका हौसला बढ़ाया।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा अराधना शुक्ला ने प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान सेंटर्स का निरीक्षण किया। लखनऊ में वह कई सेंटर्स पर पहुंचीं। जुबली इंटर कालेज में भी उन्होंने व्यस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को फूल देकर उनका हौसला भी बढ़ाया। उन्होंने बोर्ड के सभी अधिकारियों को नकल विहीन परीक्षा कराने के निर्देश भी दिए। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह परीक्षार्थियों के लिए संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा की परीक्षाएं आरम्भ हो गई हैं। सभी परीक्षार्थी पूर्ण एकाग्रता के साथ बिना किसी तनाव के परीक्षा में सम्मिलित हों। आपका परिश्रम अवश्य फलीभूत होगा व निश्चित ही सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। वहीं सभी परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए हर कक्ष में सीसीटीवी कैमरे, वायस रिकार्डर व वेबकास्टिंग के माध्यम से मानिटरिंग करने के लिए डीवीआर के साथ राउटर लगाए गए हैं। जिला मुख्यालयों के साथ ही राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। 12 अप्रैल तक होने वाली इस परीक्षाओं में नकल रोकने के कड़े इंतजाम भी है। हर जिले में जिला प्रशासन की ओर से जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति के साथ ही सचल दस्तों का गठन किया है। इसके अलावा शासन व प्रशासन के उच्च अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

51 लाख से अधिक परीक्षार्थी हो रहे शामिल

परीक्षा में 51,92,689 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। कोरोना संक्रमण काल के कारण करीब दो वर्ष बाद हो रही परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के साथ यूपी बोर्ड के कर्मियों की भी परीक्षा हो रही है। वर्ष 2021 में कोविड संक्रमण के कारण बोर्ड की परीक्षाएं नहीं कराई गई थी। सभी परीक्षार्थियों को अगली कक्षा में प्रोन्नत किया गया था।

फिर बढ़ी कोरोना संक्रमितों की संख्या, 24 घंटे में 67 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 1938 मामले सामने आए हैं जो कल की तुलना में 150 अधिक हैं। इस दौरान 67 लोगों की मौत भी हुई और 2,531 लोग स्वस्थ हुए।

राहत की बात यह है कि देश में अब केवल 22 हजार 427 सक्रिय मामले ही बचे हैं। महामारी की शुरुआत से अब तक स्वस्थ होने वाले कुल मरीजों की संख्या 4.24 करोड़ (4,24,75,588) हो गई है। रोजाना संक्रमण दर 0.29 फीसदी रह गई है। दिल्ली में भी कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिला है। बीते 24 घंटों में कोरोना के 132 नए केस सामने आए हैं, हालांकि किसी की मौत नहीं हुई है। महाराष्ट्र में कोरोना के 149 नए मामले सामने आए हैं और दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं मुंबई में बीते 24 घंटों में 49 लोगों की मौत हो गई। सरकार ने टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण और कोविड उचित व्यवहार के पालन की पांच गुनी रणनीति पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। कोरोना के हल्के मामलों के लिए होम आइसोलेशन प्रोटोकॉल और हाई रिस्क वाले मामलों की विशेष निगरानी जारी रखने का भी निर्देश दिया।

लविवि : नए सत्र में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन दो अप्रैल से

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने आगामी शैक्षिक सत्र 2022-23 में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए तैयारी लगभग पूरी कर ली है। इस बार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दो अप्रैल से शुरू होगी। आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाएंगे। आवेदन के लिए 31 मई तक मौका रहेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए सत्र में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया दो अप्रैल शुरू होगी। 31 मई तक अभ्यर्थियों को आवेदन फार्म भरने का मौका दिया जाएगा। फिलहाल प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएंगी। पेपर का पैटर्न भी एमसीक्यू आधारित होगा। प्रवेश प्रक्रिया का विस्तृत शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन फार्म भरने में अभ्यर्थियों को कोई समस्या न हो, इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए जाएंगे।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे किया जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। नेशनल हाईवे टांडा-बांदा पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को कुचल दिया, इसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाईवे जाम कर दिया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आवागमन को सुचारु कराया।

सुलतानपुर जिले के धनपतगंज बाजार के रहने वाले सुल्तान, शहबाज और सिद्धू एक ही बाइक पर बैठकर अकबरपुर जा रहे थे। वे पहितीपुर बाजार के निकट पहुंचे थे कि सुलतानपुर की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, इससे उनकी बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों काफी दूर जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने से सुल्तान और शहबाज की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि सिद्धू को स्थानीय लोगों ने

एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। उसकी भी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद ट्रक लेकर फरार चालक की गिरफ्तारी और हाईवे पर ब्रेकर बनवाने की मांग के समर्थन में ग्रामीणों ने रोड जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। इससे हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। अविलंब ब्रेकर बनवाने की मांग पूरी करने के आश्वासन पर ग्रामीण हाईवे से हटने को तैयार हुए। सीओ सदर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि ट्रक चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

परीक्षा से पहले इंटर की छात्रा यमुना में कूदी, मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मथुरा के थाना जमुना पार क्षेत्र के लक्ष्मीनगर की एक छात्रा ने बुधवार रात यमुना में कूदकर खुदकुशी कर ली। आज सुबह गोताखोरों ने छात्रा का शव यमुना से बाहर निकाला। वह एमटीएस इंटर कालेज बलदेव मार्ग लक्ष्मी नगर की छात्रा थी।

लक्ष्मी नगर निवासी राजेश कुमार की पुत्री अंजलि बलदेव मार्ग स्थित एमटीएस इंटर कालेज में 12वीं की छात्रा थी। आज उसकी बोर्ड की परीक्षा थी। इससे पहले ही वह रात को यमुना पुल से नदी में कूद गई। वह घर से चुपचाप शाम सात बजे निकली थी। थाना जमुनापार प्रभारी निरीक्षक शशि प्रकाश शर्मा ने बताया, अभी छात्रा के नदी में कूदकर खुदकुशी किए जाने के पीछे के कारणों का पता नहीं चला है। स्वजनों से अभी ज्यादा पूछताछ नहीं की जा सकी है।

समझौते के तहत होगा कैबिनेट का गठन!

» योगी आदित्यनाथ संघ की मजबूरी

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा नई सरकार के गठन की तैयारियों में जुटी है। कल योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं यूपी की कमान अमित शाह ने संभाल ली है। ऐसे में सवाल ये है कि यूपी की कैबिनेट पर शाह की छाप होगी या योगी की। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार केपी मलिक, श्वेता आर रश्मि, शिशिर श्रीवास्तव, सीपी राय और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सीपी राय ने कहा, अगर कमजोरियां दूर कर लेते अखिलेश और जयंत तो वे सफल हो सकते थे। वन मैन पार्टी की सरकार ऐसी होती है, जिसमें जिसको चाहे बना दे, जिसको चाहे बिगाड़ दे। नए कैबिनेट में किसी एक आदमी को इतना पावरफुल नहीं बनने दिया जाएगा कि वह चुनौती बन सके। केपी मलिक ने कहा, जिस तरह से अमित शाह पहुंचे रहे हैं, कुछ ऐसा होगा जो हम या आप नहीं सोच सकते। यूपी कैबिनेट में कई चीजें उलट दिखेगी। कहीं न कहीं एक समझौता यूपी और दिल्ली के बीच हुआ है। इसके तहत कैबिनेट का गठन होगा। रिमोट दिल्ली में ही रहेगा। श्वेता आर रश्मि ने कहा, पिछली बार भी लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी गई मगर रिमोट शाह और मोदी के पास रहा। मोदी-शाह की खासियत है कि वे अपने आगे किसी की चलने नहीं देंगे। योगी आदित्यनाथ संघ की मजबूरी है। संघ भी चाहेगा कि दिल्ली को कंट्रोल करने के लिए योगी को बढ़ावा दे। शिशिर श्रीवास्तव ने कहा, वार्ड लेवल पर कार्य होता है भाजपा का और वहीं से पर्ची व बूथ बनाने का काम आरएसएस का है। आरएसएस का भाजपा में बहुत बड़ा रोल है। दलित और पिछड़े योगी कैबिनेट में सामान्य स्थिति में रहेंगे।

केंद्र के इशारे पर एमसीडी चुनाव टालना लोकतंत्र पर प्रहार : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी चुनाव स्थगित करने पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में जीरो आवर नोटिस दिया है। उन्होंने दिल्ली में एमसीडी चुनाव स्थगित करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर हमला बोला है। साथ ही उन्होंने कहा केंद्र के इशारे पर दिल्ली में एमसीडी चुनाव टाला जा रहा है, जो लोकतंत्र पर सत्ता का प्रहार है। आप सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर केंद्र सरकार पर हमला बोला है।

उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा है कि केंद्र सरकार के इशारे पर एमसीडी का चुनाव टालना लोकतंत्र पर सत्ता का प्रहार है। मोदीजी अरविंद केजरीवाल से डर लगता है तो बिना चुनाव के जीतने का बिल पास कर दो। एमसीडी एक करो या पांच चुनाव तो कराओ। सांसद संजय सिंह ने चुनाव को टालने के कारणों का उल्लेख करते हुए राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया है। साथ ही कहा है कि केंद्र सरकार जानबूझ कर एमसीडी चुनाव टालने की कोशिश कर रही है। संजय सिंह ने राज्यसभा में दिए नोटिस में लिखा है कि राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी चुनावों को केंद्र के हस्तक्षेप की वजह से टाल दिया है। कारण बताया कि केंद्र सरकार दिल्ली की तीनों एमसीडी को मिलाने और एक ही मेयर का चुनाव कराने के लिए कानून लाने पर विचार कर रही है, जिसमें वार्डों की संख्या को कम कर जनता के प्रतिनिधित्व को कम करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

जानबूझ कर चुनाव टालने की हो रही साजिश

आप सांसद संजय सिंह ने नोटिस में आगे लिखा है कि केंद्र सरकार के दवाब में चुनाव आयोग का यह निर्णय भारत की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं तीव्र चुनाव की परंपरा के खिलाफ है। जानबूझ कर एमसीडी चुनावों को टालकर देरी की जा रही है। चुनाव प्रक्रिया में केंद्र सरकार का यह हस्तक्षेप चुनाव आयोग और सरकार की मिलीभगत को दिखता है, जो कि घोर - असंवैधानिक है। आगे उन्होंने कहा भारत में चुनाव प्रक्रिया और संविधान से संबंधित यह एक अति गंभीर मामला है, जिस पर सदन में शून्यकाल के दौरान मुझे बात रखने की अनुमति प्रदान की जाए।

आपराधिक कानूनों में व्यापक बदलावों की प्रक्रिया शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत सरकार ने आपराधिक कानूनों में व्यापक बदलाव के उद्देश्य से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी),1860; दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 जैसे कानूनों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए सभी हितधारकों से परामर्श किया जा रहा है। इन बदलावों का मकसद सभी को सस्ता व त्वरित न्याय सुलभ कराना है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि आपराधिक कानूनों में व्यापक संशोधन के संबंध में राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों, प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई), विभिन्न हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों,

» सभी पक्षों से केंद्र ले रहा सुझाव

बार काउंसिल आफ इंडिया, विभिन्न राज्यों की बार काउंसिल, विभिन्न विश्वविद्यालयों, विधि संस्थानों और सभी सांसदों से सुझाव मांगे गए हैं। मिश्र ने कहा कि विभाग से संबंधित गृह मामलों पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 146वीं रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली की व्यापक समीक्षा की जरूरत है। इससे पहले संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 111वीं और 128वीं रिपोर्टों में भी देश के आपराधिक कानूनों में सुधार और उन्हें युक्तिसंगत बनाने की जरूरत पर बल दिया था। इसके लिए संबंधित कानूनों में टुकड़ों में संशोधन के बजाय विधेयक लाने पर जोर दिया गया था।

अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद घटा : सीतारमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में कमी आई है और निवेश का माहौल बना है। वह राज्यसभा में केंद्र शासित प्रदेश के लिए बजट पर हुई चर्चा का जवाब दे रही थीं। संसद ने जम्मू-कश्मीर के लिए 1.42 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 890 केंद्रीय कानूनों को लागू किया गया है, जिसका लोगों को लाभ मिल रहा है। जिन लोगों के पहले कोई अधिकार नहीं था, अब वे सरकारी नौकरी पा सकते हैं और संपत्ति भी खरीद सकते हैं। इसके अलावा राज्य के 250 अनुचित और भेदभावकारी कानूनों को हटाया गया है और 137 में सुधार किया गया

है। केंद्र शासित प्रदेश में औद्योगिक विकास के रास्ते में बाधा पैदा करने वाले नियमों को भी बदला गया है। साथ ही उद्योगों को बढ़ावा देने वाली केंद्र की योजनाओं को जम्मू-कश्मीर में लागू किया गया है। खाड़ी देशों का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर में अपने निवेश को बढ़ाने की संभावनाओं की तलाश कर रहा है।

सिर इतना भी मत झुकाओ कि टोपी गिर जाए : जाखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस की सक्रिय राजनीति से संन्यास ले चुके पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व पंजाब प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ ने पार्टी हाईकमान द्वारा जी-23 ग्रुप को मनाने की कोशिश को लेकर तंज कसा है। जाखड़ ने कहा है झुक कर सलाम करने में क्या हर्ज है, लेकिन सर को इतना भी न झुकाओ की टोपी गिर जाए। वरिष्ठ नेता ने जहां कांग्रेस हाईकमान को नसीहत दी है, वहीं उनकी कमियों को भी उजागर करने की कोशिश की है। ट्वीटर हैंडल पर जी-23 को मनाने के लिए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा किए जा रहे प्रयास को लेकर छपी खबरों को अटैच करते हुए जाखड़ ने लिखा है, असंतुष्टों को बहुत अधिक प्रसन्न करना न केवल अधिकार को कमजोर करेगा, बल्कि एक ही समय में कैडर को हतोत्साहित करते हुए और अधिक असंतोष को प्रोत्साहित करेगा।

हाईकमान से वरिष्ठ कांग्रेसियों ने रखी अपनी बात

यूपी कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजनेताओं पर 'बाबू' सिस्टम के हावी होने से यूपी के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की फजीहत हुई। वरिष्ठ कांग्रेसियों ने हाईकमान के सामने खुलकर अपनी बात रखी है। स्पष्ट कहा है कि महासचिव प्रियंका गांधी की टीम का विरोध, प्रियंका का विरोध नहीं है। इसलिए उन्हें अपने सचिवालय के स्टाफ की गैर मौजूदगी में सीधे कार्यकर्ताओं से मिलना चाहिए। साथ ही संगठन में बड़े बदलाव की जरूरत भी बताई है।

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी के राजनीतिक सलाहकार व पार्टी की चार्जशीट कमेटी के प्रमुख आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अगर उन्हें चार्जशीट देनी हो तो सबसे पहले वे पार्टी को इस स्थिति में पहुंचाने वाले अपने नेताओं को ही चार्जशीट देंगे। जरूरी है कि यूपी चुनाव को सीधे देख

रहा पूरा नेतृत्व इस्तीफा दे। सूत्र बताते हैं कि कृष्णम और पश्चिम के एक पूर्व विधायक ने यहां तक कहा कि प्रियंका गांधी की टीम के खिलाफ हर जिले के कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। इसलिए जब प्रियंका कार्यकर्ताओं से मिलें तो इस टीम के लोगों को वहां नहीं होना चाहिए। तभी संगठन को दोबारा खड़ा किया जा सकता है। प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस के मुस्लिम नेताओं को पीएम मोदी के खिलाफ बोलने से भी परहेज करने की सलाह दी।

अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना सरकार का संकल्प : धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का संकल्प अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को सुविधा पहुंचाना है। इसके लिए सरकार अंतिम छोर के गांव-गांव व घर-घर तक जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के लिए कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है।

यूनिफार्म सिविल कोड लागू करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी संकल्प लिए गए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। यह प्रदेश पक्ष-विपक्ष सबका है, सरकार सभी का सहयोग लेते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ेगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह भाजपा को दो-तिहाई बहुमत से दूसरी बार सरकार

बनाने का मौका देने के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हैं और उन्हें नमन करते हैं। सरकार का संकल्प राज्य के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है। उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बने, इसके लिए सरलीकरण, समाधान व निस्तारण के मंत्र के साथ कार्य किया जाएगा। सरकार इस मंत्र को अंगीकार करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ चीजों को सरल करेगी।

नई सरकार के सामने ये है चुनौती

जब किसी पार्टी को जनता सत्ता में रहने के लिए बहुमत देती है, तो उससे कई तरह की उम्मीदें भी होती हैं। उत्तराखंड की जनता भी जीतने वाली पार्टी भाजपा से कई उम्मीदें कर रही है। उत्तराखंड के लोगों का मुख्य मुद्दा पलायन का है। लोग जॉब की तलाश में अपने गांव को छोड़कर शहर जा रहे हैं। उनको अपने क्षेत्र में रोजगार देना या रोजगार की व्यवस्था करना उत्तराखंड सरकार की जिम्मेदारी है। रोजगार के अलावा राज्य में रोड, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई जैसी समस्या भी है, जिसका निवारण वर्तमान की नई सरकार भाजपा को देना होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।